Page 1 — 26/10/2024

MA, Semester II — P G Sem II
unit I, Paper 5 — CCS
Cognitive Psychology

Topic — Subliminal perception

(1) जब व्यक्ति द्वारा वैसे उद्दीपन का भी प्रत्यक्षीकरण किया जाता है जिसकी तीव्रता चेतन पहचान या चेतन अवगतता से काफी कम होता है इस प्रकार के प्रत्यक्षण को अवचेतन प्रत्यक्षण (Subliminal perception) कहा जाता है

व्हिटेकर (Whittaker, 1970) ने अवचेतन प्रत्यक्षण को परिभाषित करते हुए कहा है कि चेतन पहचान या अवगतता के देहली के नीचे के प्रत्यक्षण को अवचेतन प्रत्यक्षण कहा जाता है

अमेरिका के न्यू जर्सी थियेटर में एक प्रयोग किया गया था जिसके परिणाम का प्रकाशन एक अखबार में किया गया। जब थियेटर में सिनेमा दिखलाया जा रहा था पर्दे पर 1/3000 सेकंड के लिए इन शब्दों को प्रसारित किया जा रहा है 'Eat popcorn' तथा "Drink "Coca-Cola" अल्प अवधि के लिए इन शब्दों को दिखाने का उद्देश्य यही था कि इसे ठीक से पहचाना नहीं जा सके। थियेटर के प्रबंधक ने बाद में बतलाया कि इस तरह के प्रसारण से पोपकॉर्न की बिक्री करीब 50% प्रतिशत बढ़कर बढ़ गयी तथा इसी अनुपात में भी कोका-कोला की भी बिक्री बढ़ गयी। प्रबंधक इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि अल्पतम अवधि के लिए आगमन के बावजूद व्यक्तियों द्वारा इन शब्दों की पहचान की गई और उनका प्रत्यक्षण किया गया। इस तरह के प्रत्यक्षण के कारण

दी, पोपकॉर्न तथा कोका-कोला की बिक्री में वृद्धि हुई जिसे अचेतन प्रत्यक्षण कहते हैं।

कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस तरह की प्रायोगिक परिस्थिति के तीव्र आलोचना इस आधार पर की गयी है कि उनमें अन्य वैज्ञानिकों प्रयोगों के समान प्रयाप्त नियंत्रण की कमी होती है। गुडइंड, इवॉन्स तथा क्लीन ने एक प्रयोग करके अचेतन प्रत्यक्षण का अध्ययन किया है। इस प्रयोग का उद्देश्य यह था कि उद्दीपकों का अचेतन प्रस्तुतीकरण (Subliminal representation) का प्रभाव व्यक्ति के प्रत्यक्षण पर पड़ता है। इस प्रयोग में प्रयोज्यों में एक मानव चेहरे की आकृति आनावरण उपकरण से दिखलाया गया। इसी आनावरण अवधि में प्रयोज्यों को दो शब्द 'Happy' या 'Angry' में से यादृच्छिक रूप से कोई एक शब्द इतना अल्पावधि के लिए भी दिखलाया जाता था कि प्रयोज्य इन शब्दों को चेतन रूप से न पढ़ सकते थे। तथा न पहचान कर सकते थे। परिणाम में देखा गया कि यद्यपि इन शब्दों को चेतन रूप से प्रयोज्य नहीं पढ़ सकते थे फिर भी उनसे चेहरे का प्रत्यक्षण प्रभावित हुआ। प्रयोज्यों उन [illegible] के चेहरे को सुखदायक बतलाते थे जिनमें Happy शब्द का प्रदर्शन किया गया था। प्रयोग के परिणाम से स्पष्ट है कि Happy तथा Angry दो शब्दों को जिन्हें अचेतन रूप पर प्रयोज्यों को दिखलाया गया था प्रयोज्यों द्वारा प्रत्यक्षण किया गया।

Kumar Patel
Mahamaya College [illegible]